भारत सरकार
पेट्रो लयम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा
अतारां कत प्रश्न सं.3511
दिनांक 16 मार्च, **2020**

केरोसिन और रसोई गैस पर राजसहायता

3511. श्री राजेश नारणभाई चुड़ासमाः
श्री पी. के. कुन्हालीकुट्टीः

क्या पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) उन देशों का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है, जिनसे वर्ष 2017 से 2020 तक भारत ने कच्चे तेल का आयात किया है और उसका मूल्य कितना है;
(ख) वर्ष 2017 से 2020 तक पेट्रोल, डीजल और केरोसिन तेल के खुदरा मूल्य का ब्यौरा क्या है और इस अवधि में अंतर्राष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमत में गिरावट के बावजूद ईंधन की खुदरा कीमतों में वृद्धि के क्या कारण हैं;
(ग) सरकार द्वारा ईंधन की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए की गई कार्रवाई अथवा तैयार की गई नीति का ब्यौरा क्या है;
(घ) क्या यह सच है कि प्रत्येक वर्ष केरोसिन और रसोई गैस पर दी जाने वाली राजसहायता की कुल राशि वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों पर निर्भर होती है;
(ङ) बजट अनुमानों की तुलना में विगत तीन वित्त वर्षों के दौरान केरोसिन और रसोई गैस के लिए राजसहायता पर कुल कितनी राशि व्यय की गई है; और
(च) केरोसिन अथवा रसोई गैस के लिए जहां प्रत्यक्ष लाभ अंतरण है, उसका राज्य-वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर
पेट्रो लयम और प्राकृतिक गैस मंत्री
(श्री धर्मेन्द्र प्रधान)

(क): पछले तीन वर्षों के दौरान आयातित कच्चे तेल के ब्यौरे और मूल्य निम्नवत हैं:

वर्ष	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20 (10 मार्च, 2020 तक)
तेल आयात (म लयन मीट्रिक टन में)	213.93	220.43	226.50	188.40
कच्चे तेल का कुल मूल्य (प्रति बैरल अमरीकी डालर)	47.56	56.43	69.88	62.60

भारत कई देशों से कच्चे तेल का आयात करता है जिनमें ईराक, सऊदी अरब, नाइजीरिया, संयुक्त अरब अमीरात, यूएसए, कुवैत, मैक्सिको, कतर, अंगोला, ओमान, रूस, मस्र, कोलंबिया, अज़रबैजान, अल्जेरिया, नार्वे, गैबोन, कैमरून, मले शया शा मल हैं।

(ख) से (घ): सरकार ने पेट्रोल और डीजल के मूल्यों को क्रमश: **26.06.2010** और **19.10.2014** से बाजार निर्धारित बना दिया है। तब से, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल वपणन कंपनियां (ओएमसीज) अंतर्राष्ट्रीय उत्पाद मूल्यों, वनिमय दर, कर संरचना, अंतरर्देशीय भाड़ा तथा अन्य लागत घटकों के अनुरूप पेट्रोल और डीजल के मूल्य निर्धारण के संबंध में उपयुक्त निर्णय लेती हैं।

देश में पेट्रो लयम उत्पादों के मूल्य कच्चे तेल से संबद्ध न होकर अंतरराष्ट्रीय बाजार में संबं धत उत्पादों के मूल्य से जुड़े होते हैं। सरकार राजसहायता प्राप्त घरेलू एलपीजी के उपभोक्ताओं के लए प्रभावी मूल्य और पीडीएस म ी तेल के खुदरा बिक्री मूल्य को आवश्यकतानुसार घटाती-बढ़ाती रहती है और उपभोक्ताओं को राजसहायता प्राप्त दर पर उत्पाद प्राप्त होते हैं।

वर्ष 2017-18 से पेट्रोल और डीजल के मूल्य पेट्रो लयम योजना और वश्लेषण प्रकोष्ठ (पीपीएसी) की वेबसाइट अर्थात www.ppac.org.in पर उपलब्ध हैं और पीडीएस म ी तेल के मूल्य आईओसीएल की वेबसाइट www.iocl.com पर उपलब्ध हैं।

(ड.) पछले तीन वत्त वर्षों के लए बजट अनुमानों (संशो धत अनुमान) की तुलना में म ी तेल और रसोई गैस के लए वास्त वक राजसहायताओं/ अल्प-वसू लयों का ब्यौरा नीचे दिया गया है:

(करोड़ रु. में)

ब्यौरे	2016-17	2017-18	2018-19
बजट अनुमान (संशो धत अनुमान)	26,704	24,070	24,066
वास्तिवक राजसहायता/अल्प-वसूली	26,803	28,249	43,129

(च): पहल (डीबीटीएल) योजना, 2014 को दिनांक 01 जनवरी, 2015 से पूरे देश में लागू कर दिया गया है। झारखंड सरकार ने दिनांक 01.07.2017 से पीडीएस म ी तेल (डीबीटीके) योजना में लाभ का सीधा अंतरण शुरू कर दिया है।

***